

Set No. : 1

Question Booklet No.

RET/17/TEST-B

689

Agam Tantra

(To be filled up by the candidate by blue/black ball point pen)

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

Roll No. (Write the digits in words)

Serial No. of OMR Answer Sheet

Day and Date

(Signature of Invigilator)

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES*(Use only blue/black ball-point pen in the space above and on both sides of the Answer Sheet)*

1. Within 30 minutes of the issue of the Question Booklet, Please ensure that you have got the correct booklet and it contains all the pages in correct sequence and no page/question is missing. In case of faulty Question Booklet, Bring it to the notice of the Superintendent/Invigilators immediately to obtain a fresh Question Booklet.
2. Do not bring any loose paper, written or blank, inside the Examination Hall *except the Admit Card without its envelope.*
3. *A separate Answer Sheet is given. It should not be folded or mutilated. A second Answer Sheet shall not be provided.*
4. Write your Roll Number and Serial Number of the Answer Sheet by pen in the space provided above.
5. *On the front page of the Answer Sheet, write by pen your Roll Number in the space provided at the top, and by darkening the circles at the bottom. Also, wherever applicable, write the Question Booklet Number and the Set Number in appropriate places.*
6. *No overwriting is allowed in the entries of Roll No., Question Booklet No. and Set No. (if any) on OMR sheet and Roll No. and OMR sheet no. on the Question Booklet.*
7. *Any change in the aforesaid entries is to be verified by the invigilator, otherwise it will be taken as unfair means.*
8. *This Booklet contains 40 multiple choice questions followed by 10 short answer questions. For each MCQ, you are to record the correct option on the Answer Sheet by darkening the appropriate circle in the corresponding row of the Answer Sheet, by pen as mentioned in the guidelines given on the first page of the Answer Sheet. For answering any five short Answer Questions use five Blank pages attached at the end of this Question Booklet.*
9. For each question, darken only one circle on the Answer Sheet. If you darken more than one circle or darken a circle partially, the answer will be treated as incorrect.
10. *Note that the answer once filled in ink cannot be changed. If you do not wish to attempt a question, leave all the circles in the corresponding row blank (such question will be awarded zero marks).*
11. For rough work, use the inner back pages of the title cover and the blank page at the end of this Booklet.
12. *Deposit both OMR Answer Sheet and Question Booklet at the end of the Test.*
13. You are not permitted to leave the Examination Hall until the end of the Test.
14. If a candidate attempts to use any form of unfair means, he/she shall be liable to such punishment as the University may determine and impose on him/her.

Total No. of Printed Pages : 20

ROUGH WORK

रफ़ कार्य

Research Entrance Test-2017

No. of Questions : 50

प्रश्नों की संख्या : 50

Time : 2 Hours

Full Marks : 200

समय : 2 घण्टे

पूर्णाङ्क : 200

Note: (1) This Question Booklet contains **40** Multiple Choice Questions followed by **10** Short Answer Questions.

इस प्रश्न पुस्तिका में **40** वस्तुनिष्ठ व **10** लघु उत्तरीय प्रश्न हैं।

(2) Attempt as many MCQs as you can. Each MCQ carries **3 (Three)** marks. **1 (One)** mark will be deducted for each incorrect answer. **Zero** mark will be awarded for each unattempted question. If more than one alternative answers of MCQs seem to be approximate to the correct answer, choose the closest one.

अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को हल करने का प्रयत्न करें। प्रत्येक वस्तुनिष्ठ प्रश्न **3 (तीन)** अंकों का है। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए **1 (एक)** अंक काटा जायेगा। प्रत्येक अनुत्तरित प्रश्न का प्राप्तांक शून्य होगा। यदि वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के एकाधिक वैकल्पिक उत्तर सही उत्तर के निकट प्रतीत हों, तो निकटतम सही उत्तर दें।

(3) Answer only **5** Short Answer Questions. Each question carries **16 (Sixteen)** marks and should be answered in **150-200** words. Blank **5 (Five)** pages attached with this booklet shall only be used for the purpose. Answer each question on separate page, after writing Question No.

केवल **5 (पाँच)** लघुउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न **16 (सोलह)** अंकों का है तथा उनका उत्तर **150-200** शब्दों के बीच होना चाहिए। इसके लिए इस पुस्तिका में लगे हुए सादे **5 (पाँच)** पृष्ठों का ही उपयोग आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक नए पृष्ठ से, प्रश्न संख्या लिखकर शुरू करें।

01. परा-अयते भवति -

- | | |
|-------------|-----------------|
| (1) परायते | (2) पलायते |
| (3) पारायते | (4) पर्यावर्तते |

02. मीमांसादर्शनस्य प्रणेताऽस्ति -

- | | |
|-----------------|-------------|
| (1) सायणाचार्यः | (2) जैमिनिः |
| (3) माधवाचार्यः | (4) गौतमः |

03. पुराणानां कर्ताऽस्ति -

- | | |
|-------------|-----------|
| (1) व्यासः | (2) सूतः |
| (3) शुकदेवः | (4) शौनकः |

04. योगसूत्रस्य प्रथमं सूत्रं वर्तते -

- | | |
|----------------------------|--------------------|
| (1) अथातो योगजिज्ञासा | (2) अथातो योगः |
| (3) अथ योगं व्याख्यास्यामः | (4) अथयोगानुशासनम् |

05. गोपथब्राह्मणं संबद्धं वर्तते-

- | | |
|--------------|----------------|
| (1) ऋग्वेदेन | (2) यजुर्वेदेन |
| (3) सामवेदेन | (4) अथर्ववेदेन |

06. सांख्यमतानुसारं पुरुषो वर्तते -

- | | |
|-------------------|--------------|
| (1) त्रिगुणात्मकः | (2) चेतनः |
| (3) प्रधानः | (4) अव्यक्तः |

07. विवाहस्य भेदा भवन्ति -

- | | | | |
|-------|-------|-------|--------|
| (1) 4 | (2) 6 | (3) 8 | (4) 10 |
|-------|-------|-------|--------|

08. आगमशास्त्रमतेन जगतःस्वरूपं विद्यते -

- | | |
|-------------|-------------|
| (1) विवर्तः | (2) सत्यम् |
| (3) मिथ्या | (4) शून्यम् |

09. स्याद्वादः सिद्धान्तोस्ति -

- | | |
|-------------------|----------------------|
| (1) आगमशास्त्रस्य | (2) न्यायशास्त्रस्य |
| (3) जैनशास्त्रस्य | (4) सांख्यशास्त्रस्य |

10. मीमांसा पदस्य लक्ष्यार्थः -

- | | |
|--------------|------------|
| (1) जिज्ञासा | (2) न्यायः |
| (3) विचारः | (4) ऊहनम् |

11. अहिवुच्यसंहितायां विभवाताराणां सङ्ख्या अस्ति -

- (1) 36 (2) 32 (3) 35 (4) 39

12. जयाख्यसंहितायां कति पटलानि सन्ति ?

- (1) 36 (2) 38 (3) 33 (4) 37

13. विमानार्चनकल्पग्रन्थः केन आगमेन सम्बद्धः ?

- (1) वीरशैवेन (2) वैखानसेन (3) पाञ्चरात्रेण (4) शैवेन

14. तन्त्रालोके आहिकानां सङ्ख्या वर्तते -

- (1) 36 (2) 33 (3) 37 (4) 34

15. गुह्यसमाजतन्त्रं कस्य तन्त्रस्य ग्रन्थः अस्ति ?

- (1) जैनतन्त्रस्य (2) शाक्ततन्त्रस्य (3) बौद्धतन्त्रस्य (4) वैष्णवतन्त्रस्य

16. ज्ञानकाण्डे कति अध्यायाः सन्ति ?

- (1) 105 (2) 103 (3) 108 (4) 107

17. आलवारसन्ताः कस्यागमस्य पोषकाः सन्ति ?

- (1) शाक्तागमस्य (2) पाञ्चरात्रागमस्य (3) वीरशैवागमस्य (4) बौद्धागमस्य

18. पूर्णता-प्रत्यभिज्ञायाः कर्ता अस्ति -

- | | |
|-----------------|--------------------|
| (1) अभिनवगुप्तः | (2) क्षेमराजः |
| (3) रामेश्वरझा | (4) गोपीनाथकविराजः |

19. आगमस्य अपरपर्यायः कः ?

- | | | | |
|-----------|--------------|--------------|------------|
| (1) निगमः | (2) तन्त्रम् | (3) वेदान्तः | (4) पुराणः |
|-----------|--------------|--------------|------------|

20. 'पाञ्चरात्ररक्षा' इति ग्रन्थस्य कर्ता कः ?

- | | |
|-----------------------------|--------------------|
| (1) श्रीवेदान्तदेशिकाचार्यः | (2) अभिनवगुप्तः |
| (3) शङ्कराचार्यः | (4) रामानुजाचार्यः |

21. शिवदृष्टि ग्रन्थकर्तुः नाम किम् ?

- | | | | |
|---------------|---------------|---------------|-----------------|
| (1) वसुगुप्तः | (2) उत्पलदेवः | (3) सोमानन्दः | (4) अभिनवगुप्तः |
|---------------|---------------|---------------|-----------------|

22. पाञ्चरात्रागमस्य त्रिरत्नग्रन्थेषु कः नास्ति ?

- | | | | |
|------------------|------------------|------------------|------------------|
| (1) नारदीयसंहिता | (2) सात्वतसंहिता | (3) पौष्करसंहिता | (4) जयाख्यसंहिता |
|------------------|------------------|------------------|------------------|

23. ईश्वरप्रत्यभिज्ञाकारिकायाः प्रणेता अस्ति -

- | | | | |
|-----------------|---------------|---------------|---------------|
| (1) अभिनवगुप्तः | (2) उत्पलदेवः | (3) वसुगुप्तः | (4) सोमानन्दः |
|-----------------|---------------|---------------|---------------|

24. शैवपरिभाषायां कति परिच्छेदाः सन्ति ?

- (1) 3 (2) 4 (3) 5 (4) 6

25. लिङ्गायतसम्प्रदायस्य केन आगमेन सम्बद्धः ?

- (1) शाक्तागमेन (2) सौरागमेन (3) सिद्धान्तशैवागमेन (4) वीरशैवागमेन

26. दशमहाविद्या केन आगमेन सम्बद्धः ?

- (1) शैवेन (2) वैनायकेन (3) शाक्तेन (4) वैष्णवेन

27. मातृकायाः कः पर्यायः ?

- (1) अर्थराशिः (2) प्रेमराशिः (3) वर्णराशिः (4) भावराशिः

28. कति कृत्यवान् शिवः ?

- (1) 5 (2) 7 (3) 9 (4) 8

29. वैष्णवागमस्य उपास्यदेवः कोस्ति ?

- (1) कार्तिकेयः (2) नारायणः (3) दुर्गा (4) शिवः

30. तत्त्वप्रकाशग्रन्थस्य प्रणेता अस्ति ?

- (1) अभिनवगुप्तः (2) भोजदेवः (3) कपिलः (4) व्यासः

31. परभार्थसारग्रन्थस्य कर्ता कोऽस्ति -

- (1) अभिनवगुप्तः (2) वसुगुप्तः (3) व्यासः (4) शङ्कराचार्यः

32. सौन्दर्यलहरीग्रन्थस्य रचनाकारो विद्यते -

- (1) कालिदासः (2) बाणभट्टः (3) शङ्कराचार्यः (4) व्यासः

33. शैवागमशास्त्र दृष्ट्या कति तत्त्वानि सन्ति ?

- (1) 34 (2) 33 (3) 36 (4) 31

34. शाक्ततन्त्राः सन्ति -

- (1) 56 (2) 36 (3) 49 (4) 64

35. आगमे पादानां कति संख्या ?

- (1) 8 (2) 6 (3) 4 (4) 9

36. शक्तिसूत्रस्य प्रणेता कः ?

- (1) कालिदासः (2) वसुगुप्तः (3) अभिनवगुप्तः (4) अगस्त्यः

37. चतुर्व्यूह नास्ति -

- (1) वासुदेवः (2) सङ्कर्षणः (3) अनिरुद्धः (4) शिवः

38. शैवसिद्धान्ते तत्त्वत्रयेषु वर्तते -

- (1) महत्तत्त्वम् (2) पशुः (3) बुद्धिः (4) तन्मात्रम्

39. गायत्र्यां वर्णानां संख्या वर्तते -

- (1) 26 (2) 36 (3) 24 (4) 32

40. कामकलाविलासस्य कर्ता कः ?

- (1) भास्कररायः (2) सिद्धनाथः (3) पुण्यानन्दनाथः (4) शम्भुनाथः

Short Answer Questions**लघु उत्तरीय प्रश्न**

Note: Attempt any **five** questions. Write answer in **150-200** words. Each question carries **16** marks. Answer each question on separate page, after writing Question Number.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक का उत्तर **150-200** शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **16** अंकों का है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अलग पृष्ठ पर प्रश्न संख्या लिखकर शुरू करें।

01. आगमतन्त्रस्य स्वरूपं प्रकाशयताम् ।
02. प्रत्यभिज्ञादर्शने परतत्त्वस्य स्वरूपं विधीयताम् ।
03. वैखानसमते नारायणस्य स्वरूपं प्रतिपादयतु।
04. पाञ्चरात्रागममनुसृत्य मन्त्रस्वरूपं उद्घाटयताम् ।
05. शाक्तागमाधिकृत्य शक्ति पारम्यं प्रकाशयताम् ।
06. पाशुपतसिद्धान्तं विविच्यताम् ।
07. वीरशैवमते तत्त्वान् प्रतिपदयन्तु ।
08. शैवसिद्धान्तमधिकृत्य निबन्धो विरच्यताम् ।

09. पाञ्चरात्रागमसम्मतम् अपवर्गस्य स्वरूपं उद्घाटयताम् ।
10. तन्त्रागमसम्मतगुरुत्त्वं प्रतिपाद्यताम् ।

Question No.

Page for Short Answer

प्रश्न संख्या

लघु उत्तरीय के लिए पृष्ठ

Question No.

Page for Short Answer

प्रश्न संख्या

लघु उत्तरीय के लिए पृष्ठ

Question No.

Page for Short Answer

प्रश्न संख्या

लघु उत्तरीय के लिए पृष्ठ

Question No.

प्रश्न संख्या

Page for Short Answer

लघु उत्तरीय के लिए पृष्ठ

Question No.

Page for Short Answer

प्रश्न संख्या

लघु उत्तरीय के लिए पृष्ठ

Question No.
प्रश्न संख्या

Page for Short Answer
लघु उत्तरीय के लिए पृष्ठ

ROUGH WORK
रफ़ कार्य

अभ्यर्थियों के लिए निर्देश

(इस पुस्तिका के प्रथम आवरण पृष्ठ पर तथा उत्तर-पत्र के दोनों पृष्ठों पर केवल नीली-काली बाल-प्वाइंट पेन से ही लिखें)

1. प्रश्न पुस्तिका मिलने के 30 मिनट के अन्दर ही देख लें कि प्रश्नपत्र में सभी पृष्ठ मौजूद हैं और कोई प्रश्न छूटा नहीं है। पुस्तिका दोषयुक्त पाये जाने पर इसकी सूचना तत्काल कक्ष-निरीक्षक को देकर सम्पूर्ण प्रश्नपत्र की दूसरी पुस्तिका प्राप्त कर लें।
2. परीक्षा भवन में लिफाफा रहित प्रवेश-पत्र के अतिरिक्त, लिखा या सादा कोई भी खुला कागज साथ में न लायें।
3. उत्तर-पत्र अलग से दिया गया है। इसे न तो मोड़ें और न ही विकृत करें। दूसरा उत्तर-पत्र नहीं दिया जायेगा। केवल उत्तर-पत्र का ही मूल्यांकन किया जायेगा।
4. अपना अनुक्रमांक तथा उत्तर-पत्र का क्रमांक प्रथम आवरण-पृष्ठ पर पेन से निर्धारित स्थान पर लिखें।
5. उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर पेन से अपना अनुक्रमांक निर्धारित स्थान पर लिखें तथा नीचे दिये वृत्तों को गाढ़ा कर दें। जहाँ-जहाँ आवश्यक हो वहाँ प्रश्न-पुस्तिका का क्रमांक तथा सेट का नम्बर उचित स्थानों पर लिखें।
6. ओ० एम० आर० पत्र पर अनुक्रमांक संख्या, प्रश्नपुस्तिका संख्या व सेट संख्या (यदि कोई हो) तथा प्रश्नपुस्तिका पर अनुक्रमांक और ओ० एम० आर० पत्र संख्या की प्रविष्टियों में उपरिलेखन की अनुमति नहीं है।
7. उपर्युक्त प्रविष्टियों में कोई भी परिवर्तन कक्ष निरीक्षक द्वारा प्रमाणित होना चाहिये अन्यथा यह एक अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।
8. प्रश्न-पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के वैकल्पिक उत्तर के लिए आपको उत्तर-पत्र की सम्बन्धित पंक्ति के सामने दिये गये वृत्त को उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर दिये गये निर्देशों के अनुसार पेन से गाढ़ा करना है।
9. प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए केवल एक ही वृत्त को गाढ़ा करें। एक से अधिक वृत्तों को गाढ़ा करने पर अथवा एक वृत्त को अपूर्ण भरने पर वह उत्तर गलत माना जायेगा।
10. ध्यान दें कि एक बार स्याही द्वारा अंकित उत्तर बदला नहीं जा सकता है। यदि आप किसी प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं, तो संबंधित पंक्ति के सामने दिये गये सभी वृत्तों को खाली छोड़ दें। ऐसे प्रश्नों पर शून्य अंक दिये जायेंगे।
11. रफ कार्य के लिए प्रश्न-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के अंदर वाला पृष्ठ तथा उत्तर-पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ का प्रयोग करें।
12. परीक्षा के उपरान्त केवल ओ एम आर उत्तर-पत्र परीक्षा भवन में जमा कर दें।
13. परीक्षा समाप्त होने से पहले परीक्षा भवन से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी।
14. यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करता है, तो वह विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दंड का/की, भागी होगा/होगी।